आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 ( डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019 )

साप्ताहिक

# मालव अँचल

वर्ष 47 अंक 11 (प्रति रविवार) इंदौर, 03 दिसंबर से 09 दिसंबर 2023 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

# मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में खिला कमल

## कांग्रेस को मिली तेलंगाना की चाबी

**नई दिल्ली।** 2024 लोकसभा चुनाव से पहले 2023 के आखिर में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव को सत्ता का सेमीफाइनल माना जा रहा था। रविवार को इन पांच राज्यों में से चार राज्यों के चुनावी नतीजे आ गए जो राजनीतिक लिहाज से बेहद ही महत्वपूर्ण है। और खास बात यह रही कि भाजपा ने तीन राज्यों में जबरदस्त सफलता हासिल की। लोकसभा चुनाव के हिसाब से महत्वपूर्ण माने जाने वाले हिंदी पट्टी के राज्य राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश भाजपा के हाथों लग गया है। कांग्रेस को छत्तीसगढ़ और राजस्थान में बड़ा झटका लगा है जहां वह अपने सरकार को बरकरार नहीं रख सकी। वहीं भाजपा के लिए मध्य प्रदेश से अच्छी खबर आई है जहां उसने अपनी सरकार को बरकार रखा है। कांग्रेस के लिए अच्छी खबर तेलंगाना से आई जहां उसने बीआरएस की सरकार की जड़ों को उखाड़ फेंका और इस नए राज्य में पहली बार सरकार बनाने का मौका हासिल किया। इन नतीजों को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। कार्यकर्ताओं में जोश है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि इन चावन के नतीजे का बड़ा प्रभाव 2024 के चुनाव पर जरूर पड़ेगा।

### मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में खबर लिखे जाने तक भाजपा 129 सीट जीत चुकी है और 35 सीट पर आगे है। वह भारी बहुमत के साथ सत्ता में फिर से वापसी करती दिख रही है। कांग्रेस अब तक 38 सीट जीत चुकी है और 27 सीट पर उसके उम्मीदवारे आगे हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा नेताओं ने जीत का संकेत स्पष्ट होते ही जश्न मनाना शुरू कर दिया। भोपाल स्थित भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचे और मिठाइयां बांटीं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वी.डी. शर्मा ने कहा कि भाजपा ने अब तक की सर्वाधिक सीटें जीतकर इतिहास बनाया... कांग्रेस केवल झूठ बोलती है। भाजपा की सरकार बनाने के लिए आगे की जो रणनीति होगी वो हमारा केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भाजपा को फिर से प्रचंड बहुमत मिलने जा रहा है। मध्य प्रदेश के मन में प्रधानमंत्री मोदी हैं और क्रू मोदी के मन में मध्य प्रदेश है... केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जो रणनीति बनाई ये उसका परिणाम है, हमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा का मार्गदर्शन मिला... क्रू मोदी का आशीर्वाद सदैव मध्य प्रदेश को मिला... इतने वर्षों में मध्य प्रदेश सरकार ने कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं छोड़ा जिसमें बेहतर काम न किया हो... मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं।

### राजस्थान

राजस्थान में भी भाजपा, सत्तारूढ़ कांग्रेस से काफी आगे रहीं। यहां की जनता पिछले तीन दशक से हर चुनाव में सरकार बदलती रही है। अभी तक के नतीजों और रुझानों से स्पष्ट है कि इस बार भी यह रिवाज कायम रहेगा। भाजपा ने यहां 115 सीटों पर अपना परचम लहराया जबकि कांग्रेस को 69 सीट मिली है। राज्य की 199 सीट पर मतदान हुआ था क्योंकि एक उम्मीदवार की मृत्यु के कारण उस सीट पर मतदान स्थगित कर दिया गया था। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता वसुंधरा राजे ने कहा कि राजस्थान की यह जो शानदार जीत है, यह प्रधानमंत्री मोदी जिनका मंत्र था- सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास, यह उसकी जीत है। उनकी दी हुई गारंटी की जीत है, यह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति की जीत है और यह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के कुशल नेतृत्व की जीत है...यह जीत जनता की है जिसने कांग्रेस को नकारते हुए भाजपा को अपनाने का काम किया है। राजस्थान भाजपा अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने कहा कि हमारी पार्टी के समस्त पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ताओं ने पार्टी को जीताने के लिए रात-दिन मेहनत की, और इसी का परिणाम है कि राजस्थान में पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बन रही है... मैं प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा का धन्यवाद करते हुए जनता का आभार व्यक्त करता हूं।

### छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में शुरुआती रुझानों में सत्तारूढ़ कांग्रेस, भाजपा से आगे थी और बीच में लगा कि दोनों के बीच कांटे का मुकाबला है लेकिन बाद में भाजपा ने अच्छी-खासी बढ़त हासिल कर ली। खबर लिखे जाने तक यहां की 90 में से 34 सीट पर भाजपा जीत चुकी है और 20 सीट पर वह आगे है जबकि कांग्रेस को 21 सीट पर सफलता मिली है और 14 सीट पर वह बढ़त बनाए हुए है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़, मध्य

प्रदेश और राजस्थान में रुझान बता रहे हैं कि भाजपा तीनों राज्यों में स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनाने की ओर बढ़ रही है। सिंह ने रायपुर में संवाददाताओं से कहा, छत्तीसगढ़ की जनता ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को खारिज कर दिया है।

### तेलंगाना

राजनीतिक रूप से खुद को मजबूत करने की कोशिशों में कांग्रेस तेलंगाना में हैट्रिक की उम्मीद कर रही के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को बड़ा झटका गला है। राज्य की 119 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस ने 64 सीटों पर जीत हासिल की है। बीआरएस के खाते में 39 सीट गए हैं। भाजपा ने 8 सीटें जीती हैं। क्रूक्रस् नेता के.टी. रामा राव ने कहा, बेशक हम निराश हैं लेकिन हम दुखी नहीं हैं। हम एक ऐसी पार्टी हैं जिसने तेलंगाना को बनाने के लिए सभी बाधाओं के खिलाफ कड़ा संघर्ष किया। हम तेलंगाना के लोगों के प्रति अत्यंत आभारी और आदरणीय हैं। हमें जो भूमिका(विपक्ष) दी गई है, हम उसे जारी रखेंगे... ।

## चुनाव आयोग ने लिया एक्शन, तेलंगाना डीजीपी सस्पेंड

**नई दिल्ली।** तेलंगाना में मतगणना और नतीजों के बीच डीजीपी को सस्पेंड कर दिया गया। आरोप है कि डीजीपी नतीजे आने से पहले ही कांग्रेस अध्यक्ष से मुलाकात करने पहुंचे थे। चुनाव आयोग ने इसे चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए उन पर सख्त कार्रवाई की है। जानकारी अनुसार तेलंगाना में चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लेते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अंजनी कुमार को सस्पेंड कर दिया है। वहीं दूसरी तरफ तेलंगाना विधानसभा चुनाव के नतीजे भी सामने आ गए हैं। कांग्रेस पूर्ण बहुमत का आंकड़ा पार करती दिखी है। सूत्रों की मानें तो चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के लिए तेलंगाना के डीजीपी पर कार्रवाई की है। चुनाव आयोग ने चीफ सेक्रेट्री को पत्र लिखा है और डीजीपी अंजनी को निलंबित करने की सिफारिश की है।

### लोकसभा या विधानसभा?

## चुनाव जीतने वाले बीजेपी सांसदों को अब 14 दिन में लेना होगा फैसला

**नई दिल्ली।** मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना की तस्वीर लगभग साफ हो गई है. इन चार राज्यों में बीजेपी ने 21 सांसदों को उतारा था. विधानसभा में जीते हुए सांसदों के पास अब 14 दिन का समय है. 14 दिन के भीतर उन्हें अपनी एक सीट छोड़नी होगी. चार राज्यों के विधानसभा चुनाव की तस्वीर लगभग साफ हो गई है. इनमें से मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में बीजेपी सरकार बनाने जा रही है. 2018 के चुनाव में बीजेपी ने इन तीनों ही

राज्यो में बीजेपी हार गई थी. हालांकि, बाद में ज्योतिरादित्य सिंधिया की मदद से मध्य प्रदेश में सत्ता वापसी करने में कामयाब हो गई थी. चार राज्यों में बीजेपी ने 21 सांसदों को मैदान में उतारा था. 7-7 सांसद राजस्थान और मध्य प्रदेश, 4 छत्तीसगढ़ और 3 तेलंगाना में उतारे थे. इन सांसदों में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद सिंह पटेल और फग्गन सिंग कुलस्ते भी हैं. इन विधानसभा चुनाव जीतने वाले सांसदों को अगले 14 दिनों के भीतर अपनी एक सीट छोड़नी पड़ेगी. संविधान विशेषज्ञ और लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी अचारी ने न्यूज एजेंसी को बताया कि अगर 14 दिन के भीतर अपनी एक सीट नहीं छोड़ी तो उन्हें अपनी संसद की सदस्यता गंवानी पड़ सकती है.

# संपादकीय

## अमेरिकी चाणक्य को मुंह तोड़ जवाब दिया था इंदिरा गांधी ने

अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हेनरी किसिंजर का 100 साल की उम्र में निधन हो गया है। 1969 से लेकर 1977 तक वह अमेरिका के विदेश मंत्री रहे हैं। सारी दुनिया में अपना लोहा मनवाने वाले, किसिंजर को भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लोहे के चने चवावा दिए थे। अमेरिका के तत्कालीन विदेश मंत्री किसिंजर इंदिरा गांधी से इतने नाराज हुए, कि उन्होंने भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग कर दिया था। 34 साल बाद उन्होंने 2005 में सार्वजनिक रूप से इंदिरा गांधी और भारतीयों से माफी भी मांगी थी। उस समय अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति निक्सन के समय उन्हें सह राष्ट्रपति भी कहा जाता था। अंतरराष्ट्रीय राजनीति का उन्हें चाणक्य माना जाता था। भारतीयों के प्रति पहले वह नफरत किया करते थे। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भारत के खिलाफ अमेरिका ने नौसेना का एक बेडा युद्ध बंद करने और पाकिस्तान के समर्थन में भेजा था। अमेरिका ने अपनी पूरी ताकत लगा दी थी, कि भारत युद्ध को रोक दे। लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिका के दबाव को स्वीकार नहीं किया। अमेरिकी नौसेना बेडे के रवाना होते ही रूस ने भी अपना नौसेना का बेड़ा भारत की सहायता के लिए भेज दिया था। अमेरिका ने जब देखा कि रूस भारत की सहायता के लिए आगे आ गया है। तब अमेरिका ने अपने कदम पीछे खींचे। इसके बाद अमेरिका के विदेश मंत्री किसिंजर ने पाकिस्तान को अपना मोहरा बनाकर, भारत के खिलाफ खड़ा किया। भारत के खिलाफ कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए गए। लेकिन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिका का डटकर मुकाबला किया। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी कूटनीति के मामले में अमेरिकी चाणक्य किसिंजर के सामने श्रेष्ठ साबित हुई। सारी दुनिया में इंदिरा गांधी की एक नई साख बनी। इंदिरा गांधी ने चीन को भी भारत-पाकिस्तान के युद्ध में दखल नहीं करने के लिए मना लिया था। अमेरिका ने बहुत कोशिश की थी, कि चीन पाकिस्तान की समर्थन में आगे आए। लेकिन ऐसा कुछ हुआ नहीं। उसके बाद किसिंजर ने पाकिस्तान को बहुत बड़ी अमेरिकी आर्थिक सहायता देकर पाकिस्तान को अमेरिकी हितों एवं भारत के खिलाफ पाकिस्तान का इस्तेमाल किया। आज हम कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण दुनिया में भारत की पहचान है। लेकिन यह पहचान 1971 के भारत-पाकिस्तान के युद्ध में सारी दुनिया में आयरन लेडी के रुप में इंदिरा गांधी की पहचान बन चुकी थी। चीन, अमेरिका और रूस जैसी महा शक्तियाँ भी इंदिरा गांधी की कूटनीति के कायल थे। सारी दुनिया में एक शक्तिशाली राष्ट्राध्यक्ष महिला के रूप में इंदिरा गांधी और भारत की पहचान सारी दुनिया में 1971 में ही बन गई थी। उस समय भारत जैसा देश रूस, अमेरिका और चीन से टकराने की हिम्मत भी नहीं कर सकता था। ऐसे समय पर इंदिरा गांधी ने हिम्मत दिखाई थी। प्रधानमंत्री के रूप में इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान से बांग्लादेश को अलग करके, बांग्लादेश को स्वतंत्र मान्यता दी। पाकिस्तान की एक सीमा को, भारत के लिए सुरक्षित बना लिया था। भारत की पहली प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थी जिन्होंने अपने पिता जवाहरलाल नेहरू से भी एक कदम आगे चलकर सारे देश एवं दुनिया में न केवल भारत की पहचान बनाई थी, बल्कि अमेरिका के आर्थिक प्रतिबंधों का जवाब भी पूरी ताकत के साथ दिया था कई वर्षों के बाद भारत के सामने अमेरिका को झुकना पड़ा। भारत अमेरिका के सामने नहीं झुका। यह इंदिरा गांधी की कूटनीतिक सफलता थी, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय चाणक्य किसिंजर और अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति निक्सन को भी भारत के सामने घुटने टेकने को मजबूर कर दिया था। किसिंजर भी बाद में इंदिरा गांधी के प्रशंसक बने।

# सिलक्यारा की रोशनी से सबक लेने की जरूरत

*ललित गर्ग*

दृढ़ इच्छाशक्ति, लगन, उम्मीद, सकारात्मकता और हौसले की ताकत ने मिलकर आखिर प्रकृति के साथ लड़ी 17 दिन की जंग में जिन्दगी को विजयी बना दिया। सिलक्यारा सुरंग में आठ राज्यों के 41 मजदूरों को सकुशल जिन्दा निकाल लेने के 400 घंटों तक चले संघर्ष में जीत इंसान के चट्टानी हौसले के नाम दर्ज हुई। उत्तरकाशी टनल में फंसे इन सभी मजदूरों को जब मंगलवार रात सुरक्षित निकाला गया, तो देश ने राहत की सांस ली और दीपावली मनाई। यह बचाव अभियान प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय बना है। जिसमें विज्ञान में विश्वास एवं आस्था ने मनोबल दिया। दीपावली के दिन से टनल में फंसे मजदूरों का सुरक्षित बाहर आना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा सकता। बचाव अभियान में हर मोड़ पर आती बाधाओं से बार-बार निराशा एवं नाउम्मीदी के बादल छाए जरूर लेकिन बचाव दल के अथक प्रयास आखिर में रंग ले ही आए। बजाव कार्य में जुटे जाम्बाज राहत कर्मियों का भरोसा, केन्द्र एवं राज्य सरकार की पूरी ताकत एवं पूरे देश की प्रार्थनाओं का ही असर था जो डर, निराशा और दुश्चिंताओं को दूर करने का हौसला बराबर देता रहा।

17 दिन तक संकटकालीन स्थितियों में मजदूरों को जीवित रखने की चुनौती वाकई बहुत बड़ी थी, जिस पर पूरी दुनिया की नजरें लगी थीं। मजदूरों तक ऑक्सीजन और भोजन पानी पहुंचाना भी आसान नहीं था। तरह-तरह की बाधाओं एवं तकलीफों के बीच जिन्दगी बचाने की मुहिम निश्चित ही एक रोशनी बनी। इसमें सुरंग में फंसे मजबूरों ने जहां हर तरह से जिजीविषा एवं बहादूरी का परिचय दिया, वहीं बचाव कार्य में जुटे वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, तकनीकी जानकारों एवं कर्मियों ने दिनरात एक करके एक उदाहरण प्रस्तुत किया। यह बचाव अभियान एवं इसकी सफलता ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय उदाहरण बनकर प्रस्तुत हुआ है। दुविधा एवं मौत की सुरंग में कैद हुए मजदूरों को संकट से आजादी मिली, लेकिन सिलक्यारा की इस घटना ने अनेक सवाल भी खड़े किए हैं। सवाल यह है कि एक प्लान के विफल होने पर दूसरा और आगे के विफल होने पर ही तीसरा, चौथा, पांचवां प्लान क्यों बना? क्या पांच प्लान पहले ही तैयार नहीं हो सकते थे? बीते दो दशकों में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क-क्रांति ने विकास की नई इबारत लिखी है, चारधाम सड़क परियोजना, पहाड़ी क्षेत्रों एवं दुर्गम्य स्थलों में भी यातायात सुगम करने के लिए पहाड़ खोदकर टनल बनाए जा रहे हैं, जिनमें दुर्घटनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। प्रश्न है कि संभावित दुर्घटनाओं से बचने के आवश्यक उपकरण क्यों नहीं जुटाये गये? मलबा हटाने के लिए अमरीका से क्यों मशीन मंगवानी पड़ी, भारत में ऐसी मशीनों की उपलब्धता क्यों नहीं है? ऐसी विपत्तियों एवं संकटों से उबरने की हमारी तैयारी आत्म-निर्भर एवं स्वावलम्बी क्यों नहीं बनायी जाती? क्यों नहीं अपने देश में जगह-जगह बढ़ती सुरंग परियोजना को देखते हुए एक ऐसे राष्ट्रीय संस्थान खड़ा किया जाता जो बिना भ्रष्टाचार एवं कौताही में लिप्त हुए निर्माणाधीन परियोजनाओं का हर वर्ष तकनीकी ऑडिट करे, जैसा कि सरकारी संस्थानों में वित्तीय ऑडिट होता है। तब हम ऐसे हादसों को रोक पाएंगे।

हिमालय जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में ऐसी बड़ी सड़क परियोजनाओं एवं अन्य निर्माण कार्यों की इजाजत देने से पहले उस पर व्यापक मंथन-अनुसंधान-जांच एवं शोध की अपेक्षा है। किस तरह के निर्माण कार्यों की इजाजत दी जाए और किस तरह के काम को नहीं, यह भी समझना एवं एक रोडमैप बनाना होगा। पर्यावरणविद और भूविज्ञानी ऐसे निर्माण कार्यों को पर्यावरण के लिये गंभीर खतरा मानते रहे हैं, ऐसे लोग लंबे समय से कहते आ रहे हैं कि हिमालय एक कच्चा पहाड़ है, वहां बड़ी परियोजनाओं को अनुमति देने से पहले सब तरह की जांच कर लेनी चाहिए। संभावित खतरों पर संवेदनशीलता से चिन्तन करना चाहिए। उत्तरकाशी के सिलक्यारा में बन रही सुरंग में भी यह बात सामने आई है कि इस जगह के आसपास दो स्थानीय फॉल्टों की उत्तर से दक्षिण तक कटान है। क्या इस सुरंग को बनाने से पहले इसका अध्ययन नहीं किया गया था? बचाव कार्य के लिए यहां आए विदेशी सुरंग विशेषज्ञों ने शेयर जोन की बात कही। शेयर जोन उसे कहते हैं, जिसके आसपास से दो नदियां एक-दूसरे को क्रॉस करती हैं। भूकंप जोन होने से भी ऐसे इलाकों में भू-धंसान की समस्या आती है। खुदाई करने वाले कई मजदूरों ने भी इस बात को रेखांकित किया एवं चेताया कि सुरंग से बार-बार धसकते मलबे की समस्या है, मगर उस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। प्रश्न है कि कौन लोग इस उपेक्षा के लिये जिम्मेदार है। इसलिए यहां इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर संवेदनशीलता की जरूरत है।

खान या सुरंग में मजदूरों के फंसने की घटनाएं देश ही नहीं दुनियाभर में होती रहती हैं। कभी पहाड़ के धंसने से और कभी खदानों में पानी भरने से भीषण हादसे होते रहते हैं। जहां विकास की गंगा बहती है, वहां विनाश की संभावना से नकारा नहीं जा सकता। लेकिन हमें संभावित खतरों पर अधिक गंभीर होने की अपेक्षा है। मैदानी इलाकों में ही नहीं, उच्च हिमालयी क्षेत्र में भी सड़क, रेल और जलविद्युत परियोजनाओं तक के लिए सुरंगों का जाल बिछाया जा रहा है, क्योंकि सुरंगों को बहुत अच्छा विकल्प माना जाता है। क्या सुरंगें वाकई बेहतर विकल्प हैं? कैसे हो रहा है उनका निर्माण? इन प्रश्नों पर व्यापक मंथन की अपेक्षा है। ऐसा नहीं है कि भारत में ऐसी परियोजनाएं हर जगह ऐसी दुर्घटनाओं की शिकार हुई है। कोंकण रेलवे और दिल्ली मेट्रो की कई जटिल सुरंगों पर सफलतापूर्वक काम हुआ है। उत्तराखंड मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के डायरेक्टर एंड प्लानिंग बृजेश मिश्रा के अनुसार, सुरंग परियोजना में सबसे अहम जियो टेक्निकल इंवेस्टिगिशेन होता है, इसी से तय होता है कि सुरंग खुदाई के बाद कितनी देर तक टिक पाएगी। निर्माण के दौरान कोई बड़ा अवरोध या खतरा तो नहीं होगा। साथ ही, इसे किस तरह के ट्रीटमेंट की जरूरत है, पर दुर्गम पहाड़ में कई बार जांच उपकरण अधिक ऊंचाई तक ले जाना मुश्किल हो जाता है और जियो टेक्निकल इंवेस्टिगिशेन पर समग्रता से कार्य नहीं होता। कई बार राजनीतिक कारणों से जल्द काम निपटाने के दबाव में सुरंग के मुहाने पर किए गए अध्ययन के आधार पर ही काम शुरू कर दिया जाता है, जो बाद में बहुत भारी पड़ता है। ऐसे मामलों में बहुत कारगर कथन है कि सावधानी हटी और दुर्घटना घटी। उत्तराखंड सुरंग हादसे में शायद ऐसा ही हुआ।

सिलक्यारा की घटना से एक तथ्य और सामने आया है कि ऐसे बचाव कार्य के लिए कोई पक्की योजना हमारे पास नहीं है। इसी वजह से विदेश से मदद लेनी पड़ी। अच्छा यही होगा कि इस घटना से सबक लेकर इस तरह के बचाव कार्य की पुख्ता प्रक्रिया और सामर्थ्य देश के पास हो ताकि आने वाले वक्त में इस तरह का बचाव कार्य जल्द से जल्द और बिना किसी बाधा के पूरा किया जा सके। इस हादसे से सबक लेते हुए आपदा प्रबंधन कार्यों को आधुनिक रूप देने के लिए हर संभव उपाय किए जाने चाहिए। विदेशों से हम तकनीक के मामले में मदद लेते रहते हैं। इस क्षेत्र में भी विदेशों से तकनीकी ज्ञान हासिल करने के साथ इंजीनियरों के प्रभावी प्रशिक्षण की भी समुचित व्यवस्था नियमित रूप से होनी चाहिए। विशेषज्ञों की मानें, तो अब भारत में सुरंग निर्माण पहले से कहीं ज्यादा चाक-चौंबद हो जाएगा। सिलक्यारा में सत्रह दिन के अंधेरे के बाद आई नई सुबह से भले ही हर भारतीय खुश हुआ होगा, लेकिन असली खुशी तो तब होगी जब ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। सिलक्यारा हादसे से नकारात्मक नजरिया बनाने की जरूरत नहीं है, बल्कि तय सुरक्षा प्रोटोकॉल को और सख्ती से लागू किए जाने की जरूरत है। निश्चित ही अपने बुलंद हौसलों के कारण सिलक्यारा बचाव अभियान में हम कामयाब होकर पूरी दुनिया के सामने एक प्रेरणा बन गए है। प्रेषकः

# 20 साल बाद इंदौर में बीजेपी का क्लिन स्विप

***इंदौर।*** *विधानसभा चुनाव में इंदौर में भाजपा ने सभी 9 सीटें जीत ली हैं। भाजपा ने 9-0 स्कोर के साथ जिले में क्लिन स्विप किया है। 1993 में भी पार्टी ने सभी सीटें जीती थीं।*

## इंदौर-5

में लगातार उलटफेर के बाद महेंद्र हार्डिया 15404 वोटों से चुनाव जीत गए। यहां पहले राउंड से आगे चल रहे भाजपा के महेंद्र हार्डिया 8वें राउंड में कांग्रेस के सत्यनारायण पटेल से 2871 वोटों से पिछड़ गए थे। यहां हार्डिया को 143449 वोट मिले हैं। जबकि पटेल को 128045 वोट मिले हैं। जीत पर महेंद्र हार्डिया ने कहा हमने विधानसभा में जो विकास कार्य किया है यह उसका परिणाम है।

## इंदौर-1

हॉट सीट से भाजपा के कैलाश विजयवर्गीय 57719 हजार वोटों से जीत गए हैं। उन्हें 156960 वोट मिले हैं। उनके सामने कांग्रेस विधायक संजय शुक्ला थे उन्हें 99 हजार 241 वोट मिले हैं। पार्टी की जीत पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय का बयान आया है। उन्होंने जीत का श्रेय लाड़ली बहना को दिए जाने के सवाल पर कहा कि ये योजना राजस्थान में थी क्या, छत्तीसगढ़ में थी क्या। फिर भी वहां भाजपा जीती है। सभी जगह मोदी मैजिक है।

## सांवेर से

मंत्री तुलसी सिलावट भी 62 हजार से ज्यादा वोटों से जीत गए हैं। उन्होंने कांग्रेस की रीना बौरासी को हराया। बौरासी को 76422 वोट ही मिले थे। तुलसी सिलावट ने कहा भाजपा की ओर से प्रदेश की जनता का आभार। अब कुछ बोलने के लिए नहीं बचा जनता ने सब बोल दिया है।

## महू से

मंत्री उषा ठाकुर 34075 वोटों से जीत गईं। उन्हें 102130 वोट मिले। कांग्रेस के बागी और निर्दलीय प्रत्याशी अंतरसिंह दरबार 68055 वोटों के साथ दूसरे नंबर पर रहे। कांग्रेस के रामकिशोर शुक्ला को 28660 वोट ही मिले। वे तीसरे नंबर पर रहे। मंत्री उषा ठाकुर ने कहा विधानसभा में निजी स्वार्थों के कारण कृत्रिम वातावरण खड़ा किया जा रहा था। जिसका जवाब मतदाताओं ने दे दिया है।

## इंदौर-2

से रमेश मेंदोला ने 2018 में जीत का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जीत का अंतर 103481 वोट रहा। पिछले चुनाव में मेंदोला 71011 वोटों से जीते थे। मेंदोला ने जीत के पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। वे 1 लाख 6 हजार 563 वोटों से चुनाव जीते हैं। ये प्रदेश की सबसे बड़ी जीत है। दूसरे नंबर पर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान रहे।

## इंदौर-3

से भाजपा के गोलू राकेश शुक्ला 14667 वोटों से जीत गए। कुल 73291 वोट मिले जबकि निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के दीपक जोशी पिंटू को 58624 वोट मिले हैं। 1908 वोट नोटा में गए। गोलू शुक्ला ने कहा बाबा महाकाल स्वयं यहां चुनाव लड़ रहे थे। उन्होंने ही टिकट दिलाया था और उन्हीं की जीत है।

## इंदौर-4

में मालिनी गौड़ 69837 वोटों से चुनाव जीत गई हैं। 118870 वोट मिले हैं। निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के राजा मंधवानी को 49033 वोट मिले। मालिनी गौड़ ने कहा यह जीत राष्ट्रवाद और सनातन धर्म की जीत है। हम जनता के साथ 24 घंटे खड़े रहते हैं यह उसकी जीत है।

## देपालपुर से

भाजपा के मनोज पटेल 13892 वोटों से जीत गए। उन्हें 94989 वोट मिले हैं, उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के विधायक विशाल पटेल को 81097 वोट मिले। यहां निर्दलीय राजेंद्र चौधरी को भी 37741 वोट मिले। बगावत के बावजूद भाजपा ने सीट कांग्रेस से छीनी है।

## राऊ से

भाजपा के मधु वर्मा 35489 वोटों से जीत गए। उन्हें 150107 वोट मिले। निकटतम प्रतिद्वंद्वी और पूर्व मंत्री जीतू पटवारी को 1 लाख 14 हजार 618 वोट ही मिले। मधु वर्मा ने कहा मैं पिछला चुनाव हार गया था। लेकिन मैंने हार नहीं मानी और कार्यकताओं के बीच रहा। संगठन जब मजबूत होता है तो ऐसे ही परिणाम आते हैं।

## विजयवर्गीय का बयान- भाजपा राजस्थान और छग में लाड़ली बहना योजना के बगैर जीती

भाजपा पीएम मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के जबरदस्त नेतृत्व के कारण जीती है। इंडिया गठबंध में जाएगा कौन-कौन? पता नहीं कौन सा नया गठबंधन बन जाए। कांग्रेस के नेता हेलिकॉप्टर में घूमते हैं, एसी कमरों में रहते हैं, उन्हें जमीनी हकीकत पता नहीं है। मैंने इंदौर में 9 और प्रदेश में 160 सीटें जीतने का दावा किया था। लाड़ली बहना पर कहा कि ये योजना राजस्थान में थी क्या, छत्तीसगढ़ में थी क्या। फिर भी वहां भाजपा जीती है।

## शुक्ला बोले- जीत से हार की चर्चा

पहले राउंड से पिछड़े इंदौर-1 से कांग्रेस प्रत्याशी संजय शुक्ला ने कहा कि यहां जीत से ज्यादा हार की चर्चा हो रही है। हम कार्यकताओं के साथ बैठकर इस हार का आकलन करेंगे। दूसरी ओर संजय शुक्ला के सामने भाजपा के चिंटू वर्मा ने नारेबाजी की।

## विजयवर्गीय का ट्वीट इस देश में मोदी ही गारंटी

भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने दोपहर 12 बजे लगातार दो ट्वीट किए। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए लिखा कि अब एग्ट और चुनाव आयोग कांग्रेस के निशाने पर होगा। इससे पहले उन्होंने ट्वीट किया कि इस देश में इस देश में एक ही गारंटी है मोदी गारंटी मोदीजी जिंदाबाद देश की जनता जनार्दन जिंदाबाद।

## विश्व एड्स दिवस पर इंडेक्स मेडिकल कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

# एड्स पीड़ित के लिए पहले समाज को सोच बदलना होगी

**इंदौर।** इंडेक्स मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर और मालवांचल यूनिवर्सिटी द्वारा विश्व एड्स दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इंडेक्स मेडिकल कॉलेज सभागृह में एआरटी सेंटर और डिपार्टमेंट आफ कम्युनिटी मेडिसिन द्वारा सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीन डॉ. जीएस पटेल ने कहा कि विश्व एड्स दिवस पर आज सरकार और सामाजिक संगठनों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। एक दौर ऐसा भी जब एक मरीज को इलाज करने में सभी को डर लगता था। एड्स के प्रति बढ़ती जागरूकता और दवाइयों के आने के साथ अब इलाज में कुछ बदलाव हुए। एड्स के मरीजों के लिए सबसे पहले समाज को सोच बदलना होगी। इस बीमारी के शुरुआती दौर में बेहतर इलाज और जागरूकता ही इसके खतरे को कम करेगी। इस अवसर पर वाइस डीन डॉ. पी न्याती चिकित्सा अधीक्षक डॉ. स्वाति प्रशांत. एडिशनल डायरेक्टर आरसी यादव, कम्युनिटी मेडिसिन एचओडी डॉ.आरती सहस्त्रबुद्धे, डॉ. सुधीर मौर्या अन्य शिक्षक और पीजी स्टूडेंट्स उपस्थित थे।

इंडेक्स एआरटी सेंटर हेड डॉ. दीपक शर्मा ने कहा कि एड्स बीमारी केवल मरीजों के लिए ही खतरनाक है। कई बार इसके मरीजों के इलाज से जुड़े डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टॉफ को भी इसके खतरे से प्रति जागरूक होने की जरूरत है।

# उमा ने फिर घेरा सरकार को अवैध खनन पर उठाए सवाल

**भोपाल।** भाजपा नेता और मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने एक बार फिर अपनी ही पार्टी की सरकार को घेरा है। उमा ने कहा, 'कमाल तो यह है कि हमारी सरकार के मुखिया के जिले में भी उनकी छाती के ऊपर अवैध खनन हो रहा है। वह उसको रोक नहीं सके। क्या सत्ता इतनी असहाय है इन तीन माफियाओं के सामने..पावर माफिया, खनन माफिया, शराब माफिया.. इनके सामने सत्ता मजबूर हो गई है क्या? मैं इनको नहीं छोडूंगी।'

ये वो उमा भारती हैं, जो कुछ ही दिन पहले शिवराज को अपना भाई कहती रही हैं। गुरुवार को भोपाल में सरकारी आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीधे सीएम पर हमलावर रहीं। वे शहडोल में रेत माफिया द्वारा पटवारी प्रसन्न सिंह बघेल की हत्या के मामले पर बोल रही थीं। उन्होंने कहा, 'मुझे स्लिप डिस्क की समस्या है। राहत मिलने के बाद ब्योहारी से ही अवैध खनन विरोधी अभियान की शुरुआत करूंगी।'पूर्व सीएम ने कहा, 'शहडोल में पटवारी प्रसन्न सिंह की जो हत्या हुई.. अवैध खनन मुझे हमेशा से चुभता रहा है। मैंने कई बार आपत्ति की और आवाज उठाई इसलिए जो बातें मैंने पहले कही थीं.. उन बातों के होते हुए मुझे कोई जिम्मेदारी देने के बारे में पार्टी सोचे लेकिन मैं अवैध खनन की खिलाफत करना नहीं छोड़ूंगी। अब खनन की खिलाफत सबसे आगे हो जाएगी।'

### शराब से लॉस हो तो खनन से रॉयल्टी वसूल करिए

उमा ने कहा- मुझे नहीं पता किसकी सरकार होगी? मैं चाहती हूं कि मेरी पार्टी की सरकार बने। मैं शिवराज जी का बहुत सम्मान करती हूं। शराब नीति घोषित हो गई.. शिवराज जी ने की। उन्होंने वैसे ही की लेकिन वह लागू नहीं हो पाई। सिवाय इसके कि अहाते गिर गए। यह कहा गया कि शराब से लॉस हो जाएगा तो मैं कह देती हूं कि खनन से रॉयल्टी वसूल करिए। मेरा कहना है कि खनन की रॉयल्टी बहुत सारी भरपाई करेगी। प्रसन्न सिंह के अलावा नरेंद्र कुमार और बीच में बहुत सारे लोगों की हत्या कर दी गई।

बजट बचाने की कंजूसी से हम गायों की हत्या कर रहे-इन सब बातों के होते हुए मुझे पार्टी चुनाव लड़ाने की इच्छा रखती है। हालांकि, जिम्मेदारी तो मुझे परमात्मा ने नैसर्गिक दी है कि मैं खनन के खिलाफ खड़ी हो जाऊं और शराब नीति को ठीक से लागू करने के लिए कोशिश करूं। गौ रक्षा के लिए कोशिश करूं। गायों की सड़क पर इतनी हत्या हो रही है। सड़कों के दोनों तरफ फेंसिंग नहीं की गई। जब भी फोर लेन रोड बनते हैं तो फेंसिंग करना सरकार की जिम्मेदारी है। बजट को बचाने की कंजूसी से हम गायों की हत्या कर रहे हैं। सोमेश्वर मंदिर नहीं खुला, वाग्देवी की प्रतिमा नहीं लौटी- सोमेश्वर का मंदिर क्यों नहीं खुल सका? पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारी ने स्वयं कहा कि आप शांत रहिए, हम खुलवा आएंगे इसलिए मैंने ताला नहीं तोड़ा। वरना एक हथौड़े में ताला टूट जाना था। वाग्देवी की प्रतिमा आज तक नहीं लौट पाई। केंद्र में भी हमारी सरकार रही। अभी भी अगर हमारी सरकार बनेगी तो मैं खनन के मामले में मुख्यमंत्री से अकेले में बात करूंगी। जब वे कुछ नहीं करेंगे तो खुलकर बोलने लग जाऊंगी। आगे मुझे नहीं पता क्या होगा?

# मध्यप्रदेश में खुलेंगे दस और निजी विश्वविद्यालय

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में राज्य सरकार जल्द दस नई निजी विश्वविद्यालयों (प्राइवेट यूनिवर्सिटी) को मंजूरी देने जा रही है। अकेले भोपाल में चार निजी विश्वविद्यालयों को खोलने की योजना है। इसके लिए शासन स्तर पर जरूरी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। संभवत- आगामी शिक्षा सत्र से ये विश्वविद्यालय काम करना प्रारंभ कर देंगे। हम बता दें कि अभी प्रदेश में 53 निजी विश्वविद्यालय हैं। जिनमें से केवल भोपाल में 12 निजी विश्वविद्यालय में हैं।

मप्र निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अधिकारियों के अनुसार मध्य प्रदेश में जल्द ही दस नए निजी विश्व विद्यालय शुरू हो सकते हैं। इन निजी विश्व विद्यालय को शुरू करने के पीछे सरकार का मकसद प्रदेश के ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। पिछले साल 2022 में राज्य सरकार ने प्रदेश में 11 निजी विश्व विद्यालय को मंजूरी दी थी। जिन्होंने बाकायदा काम करना शुरू कर दिया है। तथा जिनमें अकादमिक सत्र का प्रथम बैच भी शुरू हो चुका है। बताते हैं कि इनमें 70 प्रतिशत निजी विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज के तौर पर शुरू हुए थे। लेकिन बाद में इन्हें निजी विश्वविद्यालय में तब्दील कर दिया गया। इन विश्वविद्यालयों में अभी इंजीनियरिंग, मेडिकल, लॉ और फार्मेसी के दो लाख से ज्यादा विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। इसके साथ इन विश्वविद्यालयों में अलग-अलग विषयों से जुड़े डिप्लोमा और डिग्री पाठयक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

### *भोपाल में ही हैं 12 निजी विश्वविद्यालय*

ये निजी विश्वविद्यालय भोपाल, इंदौर, सिंगरौली और रीवा के साथ प्रदेश के उन जिलों में खोले जा रहे हैं, जहां ग्रामीण अंचलों के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा के लिए सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। प्रदेश में कुल 53 निजी विश्वविद्यालयों में 12 विश्वविद्यालय तो केवल भोपाल में ही संचालित हो रहे हैं। हम बता दें कि निजी विश्वविद्यालय खोलने के लिए कम से कम 25 एकड़ जमीन होना जरूरी है। इससे पहले कम से कम 50 एकड़ जमीन होने का नियम था।

# डॉ. अशोक अवस्थी को मिली विशेष पुलिस महानिदेशक की कमान

**भोपाल।** भारतीय पुलिस सेवा के वर्ष-1990 बैच के वरिष्ठ अधिकारी डॉ अशोक अवस्थी ने शुक्रवार को विशेष पुलिस महानिदेशक शिकायत शाखा का कार्यभार ग्रहण किया। अवस्थी इससे पहले शिकायत/मानव अधिकार में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के पद पर पदस्थ थे।

भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी अवस्थी बी.ए., एमबीए, पीएचडी हैं। उल्लेखनीय पुलिस कार्यों के लिए उन्हें वर्ष 2010 में राष्ट्रपति के सराहनीय सेवा पदक और वर्ष 2016 में विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया था।

अशोक अवस्थी के रिकॉर्ड-डॉ अशोक अवस्थी की पहली पोस्टिंग सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में जबलपुर में हुई। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उज्जैन, ग्वालियर एवं जबलपुर रहे। अवस्थी बालाघाट, कटनी, दमोह तथा रीवा जिले के पुलिस अधीक्षक रह चुके हैं। उन्होंने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक तकनीकी सेवाएं, प्रशिक्षण, एसटीएफ, शिकायत/मानव अधिकार व विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी गृहमंत्री के दायित्व का निर्वहन भी किया है। इसके अलावा पुलिस महानिरीक्षक अजाक पुलिस मुख्यालय एवं लोकायुक्त भी रहे। अवस्थी ने पुलिस उप महानिरीक्षक विसबल पुलिस मुख्यालय, एससीआरबी, छिंदवाड़ा रेंज, नाराकोटिक्स इंदौर व भोपाल रेंज के रूप में भी पदस्थ रहे हैं।

# विधानसभा चुनाव :इस बार मतगणना और नतीजों में देरी नहीं होगी

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में 230 सीटों पर हुए विधानसभा चुनाव के लिए 3 दिसंबर को होने वाली ईवीएम वोटों की गणना के लिए चुनाव आयोग द्वारा सभी तैयारियां कर ली गई हैं। जिन विधानसभा क्षेत्रों में उम्मीदवारों और वोटर्स की संख्या ज्यादा है। तथा जिन विधानसभा क्षेत्रों में मतगणना में देरी हो सकती है, उन विधानसभा सीटों पर इस मतगणना के लिए इस बार ज्यादा टेबल लगाई जाएंगी। सबसे ज्यादा 21 टेबल 16 विधानसभा क्षेत्रों में लगाई जाएंगी। सबसे कम 14 टेबल 161 विधानसभा क्षेत्रों में लगाई जाएंगी। जबकि पूरे प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों पर मतगणना के लिए 3500 टेबल लगाई जाएंगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा अनुसार पहले हर विधानसभा क्षेत्र में ईवीएम मतों की गणना के लिए 14 टेबल लगाने का नियम था। लेकिन जिन विधानसभा क्षेत्रों में ज्यादा उम्मीदवार है, ज्यादा मतदाता है और मतगणना में समय ज्यादा लग सकता है। रिजल्ट घोषित होने में देरी लग सकती है, उन विधानसभा क्षेत्रों में आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को टेबलों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। अधिकांश विधानसभा सीट पर दो से पांच टेबल लगाकर डाक मतों की गणना के लिए बढ़ाई जाएंगी। डाक मतों की गणना पहले होगी। इसके नतीजे भी जल्दी घोषित किए जाएंगे।

इन सीटों पर सबसे अधिक 21 टेबल लगेंगी- चुनाव आयोग के अनुसार अटेर, भिंड, ग्वालियर ग्रामीण, ग्वालियर, ग्वालियर पूर्व, बैहर, सिवनी, केवलारी, लखनादौन, मुलताई, आमला, घोड़ाडोंगरी, भैंसदेही, नरेला, सेंधवा में बड़वानी विधानसभा सीट पर मतगणना के लिए 21-21 टेबलें लगाई जाएंगी। इसके बाद चार विधानसभा सीटों सेवढ़ा, दतिया, हुजूर और गोविंदपुरा में मतगणना के लिए 20-20 टेबलें लगाई जाएंगी।

यहां मतगणना 18 टेबल पर होगी-इसके अलावा मुरैना, मेहगांव, भांडेर, निवाड़ी, पृथ्वीपुर, मैहर, रामपुर बघेलान, पाटन, पनागर, बिछिया, निवास, बरघाट, बैतूल, सांची, भोजपुर, उदयपुरा, बुरहानपुर, राजपुर, पानसेमल, जोबट और धार विधानसभा सीट पर मतगणना के लिए 18-18 टेबलें लगाई जाएंगी।

# औंधे मुंह गिरी बाबाओं की भविष्यवाणी, दिखाए जीत के ख्वाब, हाथ आई हार

**भोपाल।** पंडोखर सस्कार हों या रामलला बाबा...या फिर चाहे हो फकीर... बस उनके नाम बदल दीजिए... लेकिन काम एक ही था और वो था विधानसभा चुनाव को लेकर भविष्यवाणी करना। दरअसल विधानसभा चुनाव से पहले कई बाबाओं ने प्रत्याशियों की जीत और सरकार को लेकर कई दावे किए थे। विधानसभा चुनाव से पहले पंडोखर सरकार ने ये दावा किया था कि कांग्रेस नेता जीतू पटवारी हर हाल में चुनाव जीतने जा रहे हैं लेकिन हुआ ठीक उसका उलट, जीतू पटवारी चुनाव हार गए। यही नहीं

पंडोखर सस्कार ने तो नरोत्तम मिश्रा की जीत को लेकर भी भविष्यवाणी कर दी थी कि नरोत्तम मिश्रा भी चुनाव जीतने जा रहे हैं लेकिन वे भी चुनाव हार गए। इसी तरह रामलला सरकार ने भी भविष्यवाणी की थी कि मप्र में बीजेपी की ही सरकार बनेगी और हुआ भी वही। सरकार बनाई बीजेपी ने लेकिन बाबा का दूसरा दावा गलत साबित हुआ। रामलला सरकार ने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार रिपीट होने की भविष्यवाणी की थी, जो गलत साबित हुई। इधर पारस सक्लेचा ने जीत के लिए एक फकीर से चप्पलें तक खाई। ये दावा किया जा रहा था कि फकीर अगर चप्पल मारकर आशीर्वाद देते हैं तो फतेह निश्चित तौर पर मिलती है लेकिन यहां भी आशीर्वाद काम नहीं आया और पारस सक्लेचा भी चुनाव हार गए। कुल मिलाकर एक तरफ बाबाओं की भविष्यवाणी और दूसरी तरफ जनता.... बाबा भविष्यवाणी करते रह गए और जनता ने खेल कर दिया।

# गबन, लापरवाही, उद्दंडता का मिला ईनाम, सहकारिता विभाग ने दोषी को दे दी एक और जिम्मेदारी

**भोपाल।** आमतौर पर कलंकित, भ्रष्टाचार के आरोपित या किसी मामले के अदालती दोषी को विभाग हाशिए पर बैठाकर उचित फैसले का इंतजार करता है। लेकिन सहाकारित विभाग इस तरह के मामलों से अलग तरह की दलील पेश करने की ओर अग्रसर है। जिस व्यक्ति के खिलाफ करोडों रुपए के गबन के सिद्ध आरोप हैं, जिसने चुनाव आचार संहिता के दौरान हफ्तों मुख्यालय से नजरें हटाए रखीं, उद्दंडता के लिए जिसे कलेक्टर द्वारा शोकॉज नोटिस भी जारी किया गया, विभाग के आला अफसरों ने उनके तमाम गुनाहों और गल्तियों का ईनाम एक और जिम्मेदारी देकर दिया है। मुख्यालय भोपाल से लेकर जिला कार्यालय धार तक के अधिकारियों की साहब के लिए दरियादिली का द्वार लगातार खुला हुआ है।

## भ्रष्टाचार और लापरवाही पर मिला ईनाम

गबन को लेकर अदालती मामलों के प्रचलन में रहते हुए धनवाल पर विभागीय लापरवाही के आरोप भी हैं। पिछले दिनों आचार संहिता के दौरान वे लंबे समय बिना सूचना दिए कई दिनों तक अपने मुख्यालय से नदारद रहे हैं। बताया जाता है कि बिना विभागीय अनुमति के वे धार मुख्यालय छोड़कर भोपाल में जमे हुए थे। इसकी वजह रायसेन अदालत में चल रहे अदालती मामले में चल रहे गवाहों के बयान पर निगरानी रखने की नीयत बताई जाती है। धनवाल की इस लापरवाही को लेकर जिला कलेक्टर ने उन्हें आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोपी मानते हुए शोकॉज नोटिस भी जारी किया था।

मामला धार केन्द्रीय सहकारी बैंक मर्यादित के सीइओ पीएस धनवाल से जुड़ा है। सूत्रों का कहना है कि मप्र राज्य सहकारी बैंक मर्यादित मुख्यालय, भोपाल ने 5 दिसंबर को एक आदेश जारी कर कुछ अधिकारियों को अतिरिक्त जिलों का प्रभार दिया है। इन्हें ताकीद की गई है कि यह अपने वर्तमान दायित्व के निर्वहन के साथ अतिरिक्त जिले की व्यवस्था भी संभालेंगे। उक्त आदेश में छतरपुर, रतलाम और खरगोन जिलों के लिए अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आदेश के मुताबिक धार जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पीएस धनवाल को खरगोन जिले की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। प्रभारी प्रबंधक पीएस तिवारी के हस्ताक्षर से जारी हुए इस पत्र में इस बात को इग्नोर कर दिया गया कि धनवाल इसी जिले के लिए मुख्यालय द्वारा दी गई एक जिम्मेदारी से पहले भी मुंह छिपा चुके हैं। विभाग ने धनवाल को खरगोन जिला शाखा के कम्प्यूटराइजेशन काम के लिए पाबंद किया था, लेकिन विभाग द्वारा तय की गई समयसीमा तक न तो धनवाल इस शाखा में पहुंचे थे और न ही उन्होंने अपने दायित्व के काम को पूरा किया। विभाग ने धनवाल को इस काम की लापरवाही को लेकर पत्र भी जारी किया था।

धनवाल से जुडे कई विवाद-सूत्रों का कहना है कि सहकारिता विभाग की चाकरी करते हुए पीएस धनवाल रायसेन जिले में हुए एक बड़े घोटाले के घोषित आरोपियों में शामिल हैं। इस मामले को लेकर चल रही अदालती कार्यवाही के दौरान उन्हें अग्रिम जमानत भी लेना पड़ी है। पुलिस द्वारा भी उन्हें इस मामले में दोषी मानते हुए उनका नाम चार्टशीट में शामिल किया गया है। सूत्रों का कहना है कि नियमानुसार इस तरह के भ्रष्टाचार मामले के चलते धनवाल को निलंबित किया जाना चाहिए था, लेकिन मुख्यालय के आला अफसरों के वृहदहस्त प्राप्त होने के चलते उन्हें इस कार्यवाही से निजात दे दी गई। साथ ही एक जिला मुख्यालय का प्रभार भी दे दिया गया। धार जिला मुख्यालय पर रहते हुए भी धनवाल के साथ कई अपवाद और नियमाविरुद्ध काम जुड़े हुए हैं, लेकिन मुख्यालय लगातार इसको दरकिनार कर रहा है।

## नाथ से मांगा इस्तीफा, नया पीसीसी चीफ बनने वालों की कतार

**भोपाल।** प्रदेश कांग्रेस की करारी हार के बाद हाई कमान ने कमलनाथ से अध्यक्ष का पद छोड़ने को कह दिया है। कमलनाथ का जल्द ही इस्तीफा हो सकता है। इस चर्चा के बाद कई नामों को आगे रखते हुए नए पीसीसी चीफ के तौर पर देखा जा रहा है। इनमें पूर्व पीसीसी चीफ अरुण यादव और पूर्व मंत्री जीतू पटवारी का नाम भी शामिल है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस की करारी हार के बाद कांग्रेस नेतृत्व सख्त फैसले लेने के मूड में आ गया है। सूत्रों का कहना है कि कमलनाथ को दिल्ली वापस बुलाया जा रहा है। उन्होंने खुद अंतिम मौका मांगा था और वो अब खत्म हो गया है। केंद्रीय नेतृत्व अब प्रदेश के युवा नेतृत्व को कमान देने का रहा है। राहुल गांधी की टीम के किसी सदस्य को प्रदेश की कमान सौंपी जा सकती है। इसी तरह नेता प्रतिपक्ष का पद भी युवा या ओबीसी को दिया जा सकता है। फिलहाल कमलनाथ का इस्तीफा कब होता है, इस पर सभी की नजर लगी हुई है।

## पुराना शहर बोला, हारे आलोक ने दिया जीत से बड़ा तोहफा, जीत जाते तो ये होना मुश्किल था..!

### नतीजों से नाराज आलोक शर्मा का फरमान, पुराने भोपाल में देर रात तक न खुलें बाजार, अधिकारियों को की ताकीद

**भोपाल।** इसको हार की खीज कहें या पुराने भोपाल को सुधारने की ललक। उत्तर विधानसभा से दूसरी बार हार का स्वाद चखने वाले भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा नतीजों के अगले दिन से ही एक्शन मोड में दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने एक ही दिन में दो धमाकेदार उपस्थितियां दर्ज कराई हैं। पहली शाहजहांनाबाद थाने का घेराव करके और दूसरी अधिकारियों को टेलिफोनिक आदेश पर पुराने भोपाल का बाजार नियत समय पर बंद कराने का कहकर। थाने का घेराव सियासी कूटनीति का हिस्सा कहा जा सकता है, लेकिन बाजारों पर जल्दी तालाबंदी को पुराने भोपाल के बाशिंदे आलोक की तरफ से दिया हुआ वरदान मानकर स्वीकार कर रहे हैं। उत्तर भोपाल के भाजपा प्रत्याशी रहे आलोक शर्मा द्वारा मंगलवार को अधिकारियों को कॉल किया। इस कॉल का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी वायरल किया गया है। जिसमें आलोक अधिकारियों को सख्त रवैये में ताकीद करते नजर आ रहे हैं कि पुराने भोपाल के शाहजहांनाबाद, काजी कैम्प और लक्ष्मी टॉकीज के बाजार अब देर रात तक खुले दिखाई नहीं देने चाहिए। इन बाजारों में रात 11 बजे तक अनिवार्य रूप से तालाबंदी करवाई जाना सुनिश्चित करें। जीतते तो रहते दबाव में- पुराने शहर के बाशिंदों का कहना है कि अगर आलोक शर्मा इस क्षेत्र से चुनाव जीत जाते तो उन्हें अपने मतदाताओं और क्षेत्रीय दुकानदारों से नरमी का रवैया रखने की मजबूरी बनी रहती। हालांकि उनकी जीत के साथ क्षेत्र विकास की नई संभावनाओं ने जन्म जरूर लिया था, जिसमें काजी कैम्प की दुकानों का पूरी रात खुले रहना और यहां पूरी सड़क पर पसरे अतिक्रमण से निजात मिलने की उम्मीद की जा रही थी। लेकिन इस बीच यह भी संभावना थी कि अपनी जीत को स्थायी और आगे के लिए सुरक्षित रखने के लिए वे इस क्षेत्र के दुकानदारों और रहवासियों के लिए सख्त रवैया अपनाने की बजाए उनके लिए बीच का रास्ता निकालने के लिए बाध्य भी रहते।

### तुलसी मानस प्रतिष्ठान के प्रतिष्ठा पुरूष पंडित गोरेलाल शुक्ल स्मृति समारोह

# श्रीराम नाम से समस्त संताप दूर होते है-पं. उमाशंकर व्यास

**भोपाल।** तुलसी मानस प्रतिष्ठान के प्रतिष्ठा पुरूष पंडित गोरेलाल शुक्ल स्मृति समारोह के अंतर्गत पंडित रामकिंकर सभागार में दिनांक 30 नवंबर 2023 को प्रथम दिवस उद्घाटन संध्या पर परमपूज्य महाराजश्री पं. उमाशंकर व्यास ने प्रवचन प्रसंग के अतंर्गत कहा कि भगवान के नाम, जप और उनकी कथा श्रवण से हमारे संताप दूर होते है। जैसे सूर्य के उदय होते ही अधंकार स्वत- दूर हो जाता है। इसलिए योगीजन भी रामनाम में रमण किया करते है। तुलसी कहते है कि कलियुग में न कर्म है, न भक्ति है और न ही ज्ञान है। रामनाम ही एकमात्र आधार है। आपने कहा कि भक्त वही है जो हृदय में सदुणों को धारण करे। जहाँ सदुण है वहाँ दुर्गेणों का प्रभाव नहीं रहता है। इसलए नाम साधना में यह सावधानी आवश्यक है कि हम प्रभु का नाम जप करते हुए प्रार्थना करें। नाम कैसे लिया जाए यदि मन की सरलता, सहजता और पवित्रता बनी हुई है तो न केवल नाम जप प्रभावी होता है बल्कि साधक को सुखद फलों की प्राप्ति शीघ्र हाती है।

कार्यक्रम के शुभारंभ में अपने उद्बोधन में कार्याध्यक्ष रघुनंदनशर्मा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि जिनकी स्मृति में यह प्रवचनमाला प्रारम्भ की गई थी वे अंगेजी साहित्य के विद्वान होते हुए भी भारतीय धर्म, संस्कृति और अध्यात्म के प्रति निष्ठावान थे। समय के पाबंद, प्रशासक,रामानुरागी के रूप में उनकी ख्याति थी। मानस भवन उनका ही कीर्ति-कलश है। आपने 'समय के साक्ष्य' के रचयिता देवेन्द्र कुमार रावत की कृति के संबंध में कहा कि कवि का चिन्तन, उसके भाव और शब्द उनकी विचारधारा के वाहक होते है। इस दृष्टि से समय के साक्ष्य की कविताएँ प्रेरणा देती है। आपने इस अवसर पर व्यासपीठ पर विराजित उमाशंकरजी शर्मा व्यास ,डॉ.विकास दवे, सुशील केड़िया एवं सभी उपस्थिति श्रोताओं का स्वागत करते हुए कहा कि आपकी गरिमामय उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा में वृध्दि हुई है। कार्यक्रम में समय के साक्ष्य के रचयिता देवेन्द्र कुमार रावत ने कहा कि आज भ्रष्टाचार एक शिष्टाचार बन गया है। हम सब इसकी गिरत में है। इस पर मैंने समय के साक्ष्य के माध्यम से समाज का सत्य उजागर किया है। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि सुधी पाठकों का आशीर्वाद मुझे प्राप्त होगा। आपने सभी के प्रति तथा प्रकाशक श्रीमती इति निगम के कृतज्ञता ज्ञापित की। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि डॉ.विकास दवे ने अपने उद्बोधन में कहा कि रामचरितमानस हमें बताती है कि हमें विकारों पर विजय प्राप्त करके स्वयं एवं समाज को कैसे सुखी रखना है इसके सूत्र मानस में दिये गये है। आपने समय के साक्ष्य के संबंध में कहा कि निश्चित ही यह कृति सामाजिक विदुपताओं को उजागर करती है वहीं समस्याओं का समाधान भी देती है। मुझे विश्वास है कि साहित्य जगत इस कृति का आदर करेगा।

# इन अभिनेत्रियों ने ओटीटी से दिखाया अपनी एक्टिंग का जादू

ओटीटी इंडस्ट्री के लिए 2023 एक शानदार साल रहा है। कुछ सबसे अविश्वसनीय फिल्मों और शो की रिलीज के साथ-साथ रिलीज को ऊंचा उठाने के लिए कुछ कलाकारों का प्रदर्शन तो बेहद शानदार रहा। इन कलाकारों में ज्यादातर महिलाएं रहीं, जिन्होंने अपनी शानदार एक्टिंग से लोगों के दिलों पर राज किया। ये महिलाएं हॉरर, सस्पेंस-एडवेंचर और भी कई शैलियों में एक्टिंग करने में माहिर हैं। कई प्रतिभाशाली एक्टर्स जो पारंपरिक फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान नहीं बना पाए। लेकिन उन्हें अब उम्मीद है कि ओटीटी क्रांति की बदौलत उन्हें एक अलग पहचान मिलेगी।

उन्हें उनकी शारीरिक विशेषताओं से परे देखा जाता है और उनकी प्रतिभा की सराहना की जाती है। चलिये बात करते हैं उन महिला कलाकारों की, जिन्होंने इस साल अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया।

**बंबई मेरी जान** में कृतिका कामरा बेहद पसंद किए जाने वाले इस शो में कृतिका ने हबीबा का किरदार निभाया था। अपनी शारीरिक भाषा और संवादों में दृढ़ विश्वास के कारण वह शो के सबसे पसंदीदा पात्रों में से एक बन गई।

2. **आर्या 3 में सुष्मिता सेन** सुष्मिता सेन ने आर्या सरीन का किरदार निभाया है, जो एक निडर महिला है और अपने परिवार की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।



**खुफिया में तब्बू**

तब्बू ने एक वरिष्ठ खुफिया अधिकारी कृष्णा मेहरा का किरदार निभाया है। फिल्म में उसके मजबूत स्वभाव को दर्शाया गया है, हालांकि उन्हें प्यार पाने में परेशानी होती है। फिल्म में उनका किरदार एक समलैंगिक महिला का है।

**स्कूप में करिश्मा तन्ना**

तन्ना ने मेन कैरेक्टर पत्रकार जागृति पाठक का किरदार निभाया है, जो पुलिस, आपराधिक अंडरवर्ल्ड और मीडिया के जाल में उलझी एक इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्टर है। अपने शानदार प्रदर्शन के लिए उन्होंने कई पुरस्कार और तारीफें हासिल किए हैं।

**मोना सिंह मेड इन हेवन**

मोना सिंह ने बुलबुल नाम की महिला का किरदार निभाया है, जो दो अन्य लोगों के साथ मिलकर एक वेडिंग प्लानिंग कंपनी चलाती है। हालांकि वो बाहर से काफी गुस्से वाली दिखती है, लेकिन वो अपने अतीत से परेशान है।

**ताज में अदिति राव**

हैदरी मुगल राजवंश की पृष्ठभूमि के साथ, अदिति राव हैदरी ने अनारकली का किरदार निभाया है और इसे बहुत शानदार तरीके से निभाया भी है।

# पाकिस्तानी हसीना पर आया बादशाह का दिल

इंडिया और पाकिस्तान के बीच रिश्ते भले ही ना अच्छे हो लेकिन कुछ लोग लगातार अपने पर्सनल रिश्तों को लेकर चर्चा में बने रहे हैं। इस वक्त पाकिस्तानी अदाकारा हानिया आमिर के एक पोस्ट ने धमाका कर दिया है और लोग इसपर बात कर रहे है। दरअसल बीते कुछ महीनों से ऐसी अफवाहें हैं कि भारतीय रैपर और गायक बादशाह और पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि अभी तक इन दोनों का मजाक बनाया जा रहा था लेकिन अब कुछ ऐसा सामने आया है जो कि हैरान कर देगा। हानिया आमिर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ तस्वीरें अपलोड की हैं जिनमें वो अकेली नहीं बल्कि उनके साथ बादशाह भी नजर आ रहे हैं। जैसे ही ये तस्वीरें सामने आई दोनों के

रिश्ते को एक अलग नाम से पुकारा जा रहा है। पाकिस्तानी एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर 1 दिसंबर को बादशाह के साथ कई तस्वीरें साझा कीं। अभिनेत्री ने लिखा, बच्चे खरीदारी करने गए। तस्वीरों में हानिया ने ग्रे क्रॉप टॉप पहना हुआ है, जबकि बादशाह हरे रंग का ओवरसाइज जम्पर पहने हुए हैं। वे दोनों ड्रिंक के लिए बैठे और एक तस्वीर में हानिया किसी से ड्रिंक पीने के तरीके के बारे में गाइडेंस मांगती दिख रही हैं। इसके बाद कमेंट्स सेक्शन पर लोगों के शानदार कमेंट्स आ रहे हैं। एक ने लिखा है, मत मुंह लगाओ इन छपरी इंडियंस को। एक ने लिखा, शिजुका के साथ जियान।

एक का कहना था, दोस्तों, उन्हें शिजुका और जियान कहना बंद करें। मैं सभी टिप्पणियों को पसंद नहीं कर सकता। एक ने लिखा, बाबर आजम कोने में रो रहे हैं.. एक ने लिखा, बादशाह ने अपनी औकात दिखाई दी। आपको बता दें कि दोनों डेट कर रहे हैं या नहीं इसको लेकर किसी तरह की आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है।

# सर्दी के मौसम में बेस्ट हैं ये स्किन केयर

मौसम के साथ त्वचा का टेक्सचर बदलता रहता है। वहीं सर्दियों का मौसम शुरू हो चुका है, इसमें स्किन पर सबसे ड्राईनेस देखने को मिलती है। जिसे सही करने के लिए हम अक्सर अलग-अलग तरह के प्रोडक्ट या फिर घरेलू तरीकों को ट्राई करते हैं। लेकिन आपको जरूरी है कि आप एक्सपर्ट टिप्स की मदद से अपने रूटीन में बदलाव करें। इससे सर्दियों में स्किन सॉफ्ट रहेगी।

इसके लिए हमारे साथ अपने टिप्स शेयर किए डॉ. गीतिका ने यह एक डर्मेटोलॉजिस्ट हैं जो अक्सर ब्यूटी से जुड़े टिप्स हमारे साथ शेयर करती रहती हैं। आप इनके बताए गए टिप्स की मदद से स्किन केयर रूटीन में बदलाव ला सकती हैं। चलिए जानते हैं इनके बताए गए तरीके।

**क्लींजर का करें इस्तेमाल**

सर्दियों में स्किन को नरिश रखना बेहद जरूरी होता है। इसलिए ज्यादातर लोग स्किन के लिए अलग-अलग क्लींजिंग टोनर या बाम का इस्तेमाल करते हैं। आप इसके लिए ग्लिसरीन या फिर एलोवेरा जेल को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करें। सुबह और शाम दोनों समय इसे अप्लाई करें। इससे आपकी स्किन हाइड्रेट रहेगी। साथ ही ड्राईनेस भी दूर हो जाएगी।

**एंजाइम एक्सफोलिएंट का करें इस्तेमाल**

अगर आपकी स्किन ज्यादा ड्राई है तो इसके लिए आप पपीता और पाइनएप्पल का इस्तेमाल कर (दमकती त्वचा के लिए स्किन केयर) सकती हैं। इसके लिए आपको उसका पेस्ट बनाना है और हफ्ते में 1-2 बार चेहरे पर लगाना है। आप चाहे तो सुबह इसे अप्लाई कर सकती हैं वरना रात को भी चेहरे पर लगा सकती हैं। इससे आपकी स्किन पर मौजूद गंदगी साफ हो जाएगी।

**मॉइश्चराइजर का करें इस्तेमाल**

स्किन को हाइड्रेट रखने के लिए जरूरी है कि आप मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें। इसके लिए बेस्ट हैं यह शीया बटर और कोको बटर इन्हें इस्तेमाल करके आप अपनी स्किन को हाइड्रेट कर सकती हैं। आप जब भी अपने फेस को क्लीन करें तो इसे जरूर लगाएं, साथ ही रात के समय भी लगाकर सोए इससे स्किन को हील होने में मदद मिलेगी।

**सनस्क्रीन लगाना न भूले**

स्किन को हेल्दी रखना है तो आपको सनस्क्रीन

लगाना बिल्कुल भी नहीं भूलना चाहिए। इससे स्किन हमेशा प्रोटेक्ट (बेस्ट स्किन केयर रिजल्ट) रहती है। आपको बाजार में अपनी स्किन टाइप के हिसाब से सही पीएच मिल जाएगा। जिसे अप्लाई करके आप अपनी स्किन को सन बर्न और टैनिंग से बचा सकती हैं। इसे आपको रोजाना बाहर निकलने से पहले लगाना है और अगर आप मेकअप कर रही हैं तो उससे पहले अपने चेहरे पर अप्लाई करना है।

# सर्दियों में कलर काम्बिनेशन से पहनें कपड़े पाएं क्लासिक लुक

सर्दियों में स्वेटर्स में भी आप स्टाइलिश लग सकती हैं। जरुरी नही हैं कि गर्मियों में ही हम कूल और स्टाइलिश कपड़े डाल सकते हैं। सर्दियों में ठंड से बचना जितना जरुरी होता है, इतना ही लड़कियों के लिए स्टाइलिश दिखना भी जरुरी हो जाता हैं। ऐसे में आप लॉन्ग वुलन स्वेटर्स ट्राई कर सकती

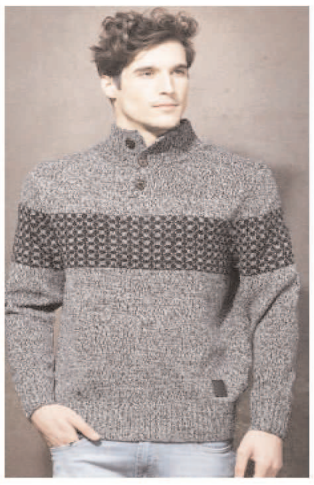

हैं। दरअसल सर्दी के सीजन में आप भी स्टाइल को मेनटेन करना चाहती होगीं तो आपको इस तरह के स्वेटर्स अच्छा लुक दे सकते हैं। ठंड से बचने के साथ ही स्टाइलिश दिखना काफी अहम होता है। इसके लिए अगर आप वुलन स्वेटर्स पर स्काफ या मफलर स्टाइल करके डालेंगी तो ये आपको एक अलग लुक देगा, और सर्दी के मौसम के हिसाब से लोग आपकी तारीफ भी करेंगे। सर्दी के मौसम में मफलर आपको ठंडी हवा से भी बचाएगा।

सर्दी के इस सीजन में अगर आपको भी अच्छा और सबसे हटकर दिखना हैं तो आप व्हाइट कलर के डिजाइन वाले वुलन स्वेटर्स अपने लिए चुन सकती हैं। व्हाइट कलर अपने आप लोगों को आर्कषित करता है। इसके साथ ही ये आपको काफी अलग लुक भी देगा। आप इस सर्दी व्हाइट स्वेटर्स पहन सकती हैं।

ठंड से बचने के साथ ही आप स्टाइलिश दिखने के लिए हाईनेक स्वेटर्स पहन सकती हैं। सर्दियों में हाईनेक तो लोग वैसे पहनते ही है, लेकिन इस सर्दी इस तरह के स्वेटर्स ट्राई करेंगी तो आप बेहद खूबसूरत और अलग दिखाई देगीं। साथ ही इस तरह के स्वेटर्स आपको ठंड से भी बचाते हैं।

अगर आप भी इस विंटर स्टाइलिश लुक पाना चाहती हैं, तो अपने वुलन स्वेटर्स में थोड़े अच्छी क्वालिटी लेना शुरु कर दें। क्योंकि ज्यादातर स्वेटर्स एक बार में वॉश होते ही बेजान से दिखने लगते हैं, और जब आप इन स्वेटर्स को पहनते हैं तो ये बेहद खराब लुक देते हैं। इसलिए लुक के साथ-साथ कपड़े की क्वालिटी भी देखनी बहुत जरुरी होती हैं।

# स्नोफॉल के लिए बैस्ट हैं ये जगह

सर्दियों का मौसम आ चुका है और शायद आप भी इसी का इंतजार कर रहे थे? सर्दी का मौसम आते ही हमारी दिनचर्या में काफी कुछ बदल जाता है और साथ ही इस मौसम में लोग कई नई-नई जगहों पर घूमने भी जाते हैं। कोई अपने दोस्तों संग, कोई पार्टनर तो कोई अपने परिवार संग घूमने का प्लान करता है। पर सर्दियों में लोग ऐसी जगह की तलाश में ज्यादा रहते हैं, जहां उन्हें स्नोफॉल यानी बर्फबारी दिख सके। हर कोई बर्फ पड़ते हुए लाइव देखना चाहता है, लेकिन लोग ये समझ नहीं पाते हैं कि वो कहां जाएं, जहां उन्हें बर्फबारी देखने को मिल सके। तो चलिए हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताते हैं, जहां पर आपको दिसंबर के महीने में बर्फबारी दिख सकती है। आप आगे इस बारे में जान सकते हैं...

**लेह**

दिसंबर महीने में बर्फ देखना चाहते हैं, तो आप लेह जा सकते हैं। ये जगह दोस्तों, पार्टनर या परिवार संग घूमने के लिए बेस्ट हो सकती है। यहां आपको बर्फबारी दिख सकती है और आप लेह के

अद्भुत नजारों को देख सकते हैं, जो शायद ही आपको कहीं और देखने को मिले।

**गुलमर्ग**

अगर आप बर्फबारी देखना चाहते हैं, तो फिर आप गुलमर्ग जा सकते हैं। कश्मीर में स्थित ये जगह खूबसूरत वादियों और बर्फबारी के लिए प्रसिद्ध है। आप यहां पर बर्फ में स्कीइंग का लुत्फ भी उठा सकते हैं।

**मैक्लॉडगंज**

आप अगर बर्फबारी वाली जगह पर जाना चाहते हैं, तो आप मैक्लॉडगंज जा सकते हैं। हिमाचल प्रदेश में बसी ये जगह पर्यटकों के बीच काफी शुमार है। यहां पर आप स्नोफॉल देख सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर प्रकृति के अद्भुत नजारे देख सकते हैं, पैराग्लाइडिंग कर सकते हैं आदि।

**उत्तराखंड**

औली की अपनी एक खासियत ये है कि यहां बर्फबारी होना बहुत आम बात है। उत्तराखंड में स्थित ये जगह पर्यटकों की पहली पसंद नजर आती है। आप यहां पर बर्फबारी के अलावा स्कीइंग कर सकते हैं। साथ ही आप यहां एशिया की सबसे लंबी केबर कार की भी सैर कर सकते हैं।

# प्रॉपर्टी का कार्य करने वाले व्यक्ति को बचपन का दोस्त बनकर लगाई लाखो चपत

**इंदौर।** मैं तुम्हारे बचपन का दोस्त बोल रहा हूं, मुझे पहचाना, मेरी आवाज समझ नहीं आ रही, कहते हुए ठगों ने आनलाइन फ्राड किया। शहर के 5 आवेदकों से पौने सात लाख रुपए ऐंठ लिए थे। शिकायत के बाद क्राइम ब्रांच ने सभी आवेदकों के पैसे वापस कराए। क्राइम ब्रांच के सायबर हेल्पलाइन पोर्टल पर सोशल मीडिया एवं ऑनलाइन फ्रॉड संबंधित शिकायतें मिलती है। इसी क्रम में प्रॉपर्टी का कार्य करने वाले आवेदक चंद्रकांत निवासी महू को ठग ने काल किया। ठग ने कहा कि पहचाना मुझे, मेरी आवाज से पहचानो, तुम्हारा बचपन मित्र बोल रहा हूं तो आवेदक ने परिचिति मित्र का नाम बोला, जिसका फायदा उठाकर ठग ने वही मित्र बनकर पेमेंट भेजने को कहा। फरियादी के झांसे में आने के बाद ठग ने बोलकर फोनपे वॉलेट अकाउंट से पेमेंट प्रोसेस कराते हुए 1,98,000 रुपए ट्रांसफर करा लिए।

*यह आए मामले*

जियो कंपनी में इंजीनियर की जॉब करने वाले आवेदक अमरनाथ को ठग ने आईसीआईसीआई बैंक का फर्जी अधिकारी बनकर क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम से झूठ बोला। आवेदक के मोबाइल पर बैंक सॉफ्टवेयर बताकर रिमोट एक्सेस एपीके सॉफ्टवेयर इंस्टाल कराकर मोबाइल को रिमॉटली एक्सेस कर बैंकिंग लेने के बाद 1,20,000 रुपए निकाल लिए।

## सीनियर सिटीजन आवेदक

रघुनंदन के मोबाइल पर बिजली बिल अपडेट करने अन्यथा कनेक्शन काटने के संबंध में फर्जी मैसेज ठग ने भेजा । मैसेज में ठग ने संपर्क नंबर दिया था, जिस पर आवेदक ने कॉल किया। ठग ने आवेदक के मोबाइल पर जोहो एसीस्ट एप डाउनलोड कराते हुए उसके बैंक अकाउंट की जानकारी लेकर डेढ़ लाख रुपए ऐंठ लिए। व्यापारी आवेदक राजकुमार ने कपूर, अगरबत्ती, मोमबत्ती के रॉ मटेरियल खरीदने के लिए फेसबुक पर पोस्ट देखा। पोस्ट में दिए संपर्क नंबर पर कॉल करने पर उसे ठग ने उठाया। ठग ने फरियादी को सस्ते दाम में रॉ मटेरियल देने का झूठा वादा कर डील फाइनल की 1,30,500 रुपए एडवांस पेमेंट मांगा। आवेदक ने कोटक बैंक खाते से आईएमपीएस के माध्यम से एडवांस पेमेंट कर दिया। कारपेंटर आवेदक चेतन को ठग ने रिश्तेदार बताकर आवेदक के खाते से 72,000 रुपए ट्रांसफर करा लिए।

*अब तक पौने चार करोड़ रुपए वापस कराए*

क्राइम ब्रांच ने अन्य तरीके के अपराधों पर कार्रवाई के साथ साइबर फ्राड के मामले में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। इसके अंतर्गत एक जनवरी 2023 से 30 नवंबर तक 11 माह में 50 से अधिक आवेदकों के 3 करोड़ 80 लाख रुपए रिफंड कराए हैं।

# महिला सफाईकर्मी के परिवार को दो लाख की आर्थिक सहायता

**इंदौर।** महिला सफाईकर्मी अमरलता गोहर की सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर परिवार को आर्थिक सहायता देने के लिए सफाई कामगार कर्मचारी यूनियन के ( अध्यक्ष ) चौधरी लीलाधर करोसिया ने कलेक्टर इलैया राजा टी से गुहार लगाई थी। इस पर सफाईकर्मी अमरलता गोहर के निवास स्थान पहुंचकर परिवार को शोक संवेदना व्यक्त कर दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। करोसिया के नेतृत्व में वाल्मिकी समाज का प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर इलैया राजा टी से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर से सभी सफाई कामगारों का आयुष्मान कार्ड और झोनल वाइज या बस्तियों में जाकर कैंप लगाकर डिजिटल जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने को लेकर चर्चा की। इस दौरान पटेल लेखराज नरवाले, चौधरी शंकर चिंतामण, चौधरी ओम अटवाल, महंत महेश नरवाले विनोद चिंतामण, किशोर बाबा करोसिया, बंटी खरे, मनोज सिरसवाल, पटेल मिथुन घारू, अंकित कल्याणे, विनोद चौहान आदि मौजूद थे।

### शहर में बढ़ रहा प्रदूषण

# मानक सीमा से अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर की जा रही कार्रवाई

**इंदौर।** शहर में बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए वाहनों की जांच का अभियान चल रहा हैं। इस समय मानक स्तर से अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर करवाई की जा रही हैं। अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को जब्त किया जा रहा है। यह कार्रवाई शहर में अलग-अलग चौराहों पर की जा रही है। परिवहन विभाग और यातायात विभाग द्वारा मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ मिलकर संयुक्त जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसमें प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों की जांच की जा रही हैं। मानक सीमा से ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को जब्त किया जा रहा हैं। वहीं बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे वाहन भी जब्त किए जा रहे हैं। संयुक्त टीम ने रीगल चौराहे पर जांच अभियान चलाया इसमें 50 से अधिक वाहनों की जांच की गई। कम प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को सही करने की हिदायत दी गई।

विगत कुछ समय से इंदौर शहर में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। इसमें वाहनों से निकलने वाला धुआं भी जिम्मेदार है। इसे देखते हुए परिवहन विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों की जांच का अभियान शुरू किया है। यह अभियान रोजाना अलग अलग हिस्सों में चलाया जा रहा है।

# मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने हुकुमचंद मिल के श्रमिकों से किया अपना वादा निभाया

### श्रमिकों को न्यायालय में न्याय दिलाने वाले वकील गिरीश पटवर्द्धन, धीरजसिंह पंवार एवं स्वाति कासीद को किया सम्मानित

**इन्दौर।** हुकमचंद मिल मजदूर, कर्मचारी, अधिकारी समिति की 1647वीं मीटिंग मिल परिसर स्थित समिति के आफिस के पास गणेश हाल में हुई, जिसमें श्रमिकों को न्यायालय में न्याय दिलाने वाले वकील गिरीश पटवर्द्धन, धीरजसिंह पंवार एवं स्वाति कासीद भी शामिल हुए, सभी का स्वागत- सम्मान किया गया। मीटिंग में मिल के लगभग 1500 से अधिक श्रमिक, कर्मचारी अधिकारी व इनके परिजनों के सदस्यों ने भाग लिया। मिल बंदी के 31 वर्ष बीतने के बाद पहली बार सभी इतने खुश थे मीटिंग में शामिल सभी सदस्य एक-दूसरे के गले मिलकर बधाई व शुभकामनाएं दे रहे थे, एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा करा रहे थे। कुछ श्रमिक भाईयों ने फटाके फोड़कर खुशी का इजहार किया। अब सभी को इंतजार है कि कब पैसा मिलेगा?

आज की मीटिंग में मजदूरों को जानकारी दी गई कि शीघ्र ही श्रमिकों को भुगतान दिलाने के लिए जो उच्च न्यायालय से गाइड लाइन जारी होगी, उस अनुसार सभी सदस्यों के फार्म समिति के आफिस में भरने की कार्यवाही की जाएगी। मीटिंग को समिति के अध्यक्ष नरेन्द्र श्रीवंश, मजदूर नेता हरनाम सिंह धारीवाल, किशनलाल बोकरे, ठाकुरलाल गोड़, प्रतिभानसिंह बुंदेला, सुधाकर कामले, नामदेव कागदे, कैलाश यादव, मधुकर गलांडे, अरूण चंदवासकर, श्रीमती उर्मिला शर्मा, पुष्पा काले, सूरज बाई चौहान, साधना वैध, सुनीता गेहलोत, नलिनी गोसावी, सुनीता सिसोदिया एवं समिति के सभी सदस्यों ने संबोधित किया।

# मूक-बधिर बच्चों के साथ द पार्क ने मनाई दूसरी वर्षगांठ

इंदौर। इंदौर को कल्चर और टेस्ट में नई पहचान दिला रहे द पार्क ने दूसरी वर्षगांठ पर एनजीओ आनंद सर्विस सोसायटी के मूक-बधिर बच्चों को आमंत्रित किया। स्टाफ ने बच्चों के साथ केक काट कर जश्न मनाया। स्पेशल लंच का भी बच्चों ने आनंद उठाया। इंदौर में दो साल पूरे करने पर द पार्क के जनरल मैनेजर देबजीत बैनर्जी ने कहा कि दो साल में लजीज स्वाद, हाइजीन और शानदार हॉस्पेटिलिटी से द पार्क ने ख़ास पहचान बनाई है। इस यात्रा में बड़ा योगदान फूड लवर्स का है, जिन्होंने खूब प्यार दिया है। हम समय-समय पर फूड फेस्टिवल करते हैं. जिसकी सराहना मिली है। हमारे लिए इससे बेहतर बात कोई नहीं हो सकती थी कि इन बच्चों के साथ वर्षगांठ मनाएं। इस अवसर पर अष्टविनायक लीज़र प्रालि. के डायरेक्टर आनंद गोयल एवं निधि गोयल मौजूद रहे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 ( डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019 )